[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

स्तद्गोचरधुत्कृष्ट, परमञ्ज्ञानदा ॥०२॥

चलाचलं [illegible] भयं, [illegible] भयं

गतः ॥ [illegible] भवुत्स्य, भ्रमं तत्त्वम

ज्ञायः ॥०३॥ यत्र विस्तृतकर्मे, भवद्भ

[illegible] लभ ॥ [illegible] विलीयते तत्त्व,

[illegible] पिलं [illegible] गतः ॥०४॥ [illegible]

[illegible] रसाय यत्र [illegible] वितः ॥ [illegible]

[illegible] निर्विकल्पः भवत्युत ॥०५॥ ३

[illegible] यत्र [illegible] रितः ॥

[illegible] भवेत्, [illegible] विमरि

तम् ॥०६॥ विस्तृ [illegible] विलभयं, [illegible]

[illegible] ॥ विलीयते तत्त्वे, [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

सीतलभूरू ॥ निरहस्तिरक्स।विध

हुरसंमिउः म: सीतलमयः ॥ ०५ ॥ ग्रुत्तः सीतलत

यं निलत्तु यं सीतलं गतु ॥ वृत्तभु

धेभउभुनं ।मवरूदभयं गतु ॥ ० ॥

इतिश्रीयोगवाशिष्ठभरविचर्भधसभासं

ह्रिभं भरू...भा ॥ ५ ॥ श्रीवशिष्ठउवाच ॥

ॐ सुत्तु सिगह्लनेत्तु ।रेयेकेभुत्तउः धरः ॥

सधूभनशिभंसेरुं।धघ्न धूहसगीवत्तु ॥ ० ॥

एतेदिमिज्ञिल भत्तु।भर्नेरह्नीक्रियभरः

ये॰ सयः ॥ चभतभत्तापवन्देरवरणनेवि

२॰ भ॰ नखिउः ॥ ७ ॥ त्तथमरूमलमिडेमि।र

०७ गनिहं गभभषनि।रूवत्र।रुववितीरे

ॐ

[illegible]

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

दि॥ चेतो स्त्रिउत क्लिष्टि उभक्तैर्नवि
हुते॥ ॥ सकृ विमुक्ति वेकृ हृ यहकृव
त्रिभवतः॥ उग्र केमिज्ञभः भवंकेरि
भीहेवकृवय॥ ॥ वकं भवभिरुं विसं।
भरभक्तेर्वय:॥ नकुतेन भिर्नेठ वि।
भत्तेत्मित्तिठवय॥ ३॥ एवं नक्षमिर
कं। भवक्तुकभायपिउभा॥ निमुक्ते
कुगिव सेभ। भिउिठवययङ्कतः॥ ७॥
नकं नमदहत्तु भीत्तिवृत्तेव भिनि
तभा॥ तनते प्रल्कभवेइ। हतते गाद
धमुतभा॥ ८॥ मुक्त मरुकभमुते॥
भभन्तेभवकृजिनं॥ येगिनः भव

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

स्मीः प्रतिष्ठमस्तुपिण्डी ॥ गङ्गेकुलस्व
रूपं श्रेयमस्मत्स्वरूपं मितः ॥ ९ ॥ सत्यज्ञान
रितः सदः निरूपो निर्विकल्पकः ॥ ज्ञान
निर्मिथतं कर्मलीलाश्रयः परमात्मा ॥ १० ॥
ज्ञानं विशुद्धं मेतत्स्वरूपः सर्वतो विभुः ॥
निर्विकारः स्वयंज्योतिः सर्वमेवैकमकम
यम् ॥ ११ ॥ ज्ञानं ब्रह्म परं ब्रह्म भवगः स
वभूयः ॥ सकमनन्तमेतत्स्वरूपं तत्त्वे
नैव स्वरूपम् ॥ १२ ॥ निर्विकल्पो निष्कलः
परमानन्दरूपकः ॥ सदानन्दमानन्द
य
श्री निर्मलो निर्मलः सर्वः ॥ १३ ॥ यज्ञान
मिन्द्रयः सर्वः सर्वत्र सर्वमयस्मृतः ॥ ह

ये:
व. भ
०३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मभमुभवनुक्रेडिठ विडिमक्रवैभमनु ।

धीडिभडिभडभय क्रैनभनठविधुडि ॥ ७७ ॥

ठहेभिमिडुरूडभ क्रचमुप्रेधिनिस्न

यमु ॥ नेमिक्रूरूधिभंभुजुंवयिठमनि

रूयडि ॥ ७१ ॥ नधिविक्लडडजेनहयउश्र

भिरूंभरू ॥ नन भमज्रकूडकु ठनम

भुभुमरूकमा ॥ ७० ॥ नठमेवधमभुक्रव

भुरूव ष्ठभहृय ॥ ठश्र विस्नुयेभक्रे ॥ डडि

वनुप्रेवनुहृषठवेडा ॥ ७४ ॥ नडिनडीडि

नडीडि मेधिडंयद्धंथरूमा ॥ निरन्क

ये पभा ७० डुभमदव्रडरूभ्भीडिभुयीठव ॥ ७३ ॥

नक्रंभडडंविज्ञिनुक्रमेकंनिरनुर

मा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ज्ञमनमनसा॥ अनमेघुज्ञनीठस्तुतं अवेथ

नहुतं॥ ७ ॥ यस्मस्यज्ञं मितं मन्तुं, यस्य

तुल्यगतः सद्यः सद्यो विनस्यत्स, स

र्वकिंचिमन्तुतिः॥ ९ ॥ त्वद्दिनिद्भुय

नीभद्दिस्कृतय, स्मद्देपरिभेक्ष

स्तुपूर्वं, परिभ्रमतु तस्मरगः श्रुति

ले, न निरीक्ष्य तत्कृतयन्तसम्भवः॥ १० ॥

सेमत्तन्मूढयन्तीतं, निर्घृणैर्निवर्तते॥

तत्स्वमर्मविनिद्दितं, नक्रोडियमस्तकः॥ ११ ॥

घटकीलयमस्मुखं, अभिमतसमलठ

क्षिकः॥ तस्य विस्रंभितं तत्तत्संसुतं न

तद्दर्शना॥ १२ ॥ यस्य स्मृष्ठिकस्मुतः, सु

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥३५॥ इति श्रीयोगवासिष्ठसारे [illegible] प्रकरणम् ॥१०॥ समाप्तं योगवासिष्ठसारम् ॥

ॐ श्री [illegible] नमः ॥ [illegible] ॥

ॐ [illegible] लिख्यते ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

ॐ [illegible] विणीयते ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] विवेक [illegible] ॥
[illegible] ॥ नित नित [illegible]
[illegible] विवेकः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ नित नित [illegible] विवे
कः ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नित [illegible] नित नित
[illegible] विवेकः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] १३

व ॥ शमादिषट्कसम्पत्तिः। का ॥ शमो दमः।
उपरतिः तितिक्षा ॥ श्रद्धा ॥ समाधा
नं चेति ॥ शमः। कः ॥ मनसोरिन्द्रियनिग्र
हः ॥ कः। श्रोत्रनिग्रहः ॥ दमः। कः ॥ बा
ह्येन्द्रियनिग्रहः ॥ उपरतिः का ॥ स्व
धर्मानुष्ठानमेवा ॥ तितिक्षा ॥ का ॥
शीतोष्णसुखदुःखादिसहिष्णुत्वम् ॥ श्रद्धा
का ॥ गुरुवेदान्तवाक्येषु ॥ विश्वासः ॥
समाधानं किम् ॥ चित्तैकाग्रता ॥ मुमु
क्षुत्वं किम् ॥ मोक्षो मे भूयात्। इतीच्छा
॥ एतत्साधनचतुष्टयम्। ततस्त
त्त्वविवेकस्याधिकारिणो भवन्ति ॥ तत्त्व

[illegible]

𑆮𑆴𑆮𑆼𑆑𑆂𑇅 𑆑𑆂𑇆 𑆄𑆠𑇀𑆩𑆳 𑆱𑆠𑇀𑆪𑆁 𑆠𑆢𑆤𑇀𑆪𑆠𑇀𑇆 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆁
𑆩𑆴𑆡𑇀𑆪𑆼𑆠𑆴 𑆘𑇀𑆚𑆳𑆤𑆩𑆼𑆮𑇆 𑆄𑆠𑇀𑆩𑆳 𑆑𑆂𑇆 𑆱𑇀𑆡𑆷𑆬𑆱𑆷
𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑇅 𑆑𑆳𑆫𑆟𑇅 𑆯𑆫𑆵𑆫𑇅 𑆮𑇀𑆪𑆠𑆴𑆫𑆴𑆑𑇀𑆠𑆂 𑆥𑆚𑇀𑆖𑆑𑆾𑆯𑆳𑇅
𑆱𑆳𑆑𑇀𑆰𑆵𑇆 𑆱𑆖𑇀𑆖𑆴𑆢𑆳𑆤𑆤𑇀𑆢𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆂𑇆 𑆪𑆱𑇀𑆠𑆴𑆰𑇀𑆜𑆠𑆴𑇅
𑆱 𑆄𑆠𑇀𑆩𑆳𑇆 𑆱𑇀𑆡𑆷𑆬𑆯𑆫𑆵𑆫𑆁𑇆 𑆑𑆴𑆁𑇆 𑆥𑆚𑇀𑆖𑆵𑆑𑆸𑆠
𑆥𑆚𑇀𑆖𑆩𑆲𑆳𑆨𑆷𑆠𑆽𑆂 𑆑𑆸𑆠𑆁𑇆 𑆱𑆠𑇀𑆑𑆫𑇀𑆩𑆘𑆤𑇀𑆪𑆁𑇅
[illegible]𑇆 𑆱𑆶𑆒𑆢𑆶𑆂𑆒𑆳𑆢𑆴𑆨𑆾𑆓𑆳
𑆪𑆠𑆤𑆁𑇅 𑆯𑆫𑆵𑆫𑆩𑇀𑇆 𑆰𑆝𑇀𑆮𑆴𑆑𑆳𑆫𑆮𑆠𑇀𑇆 𑆃𑆱𑇀𑆠𑆴𑇆
𑆘𑆳𑆪𑆠𑆼𑇆 𑆮𑆫𑇀𑆣𑆠𑆼𑇆 𑆮𑆴𑆥𑆫𑆴𑆟𑆩𑆠𑆼𑇆 𑆃𑆥𑆑𑇀𑆰𑆵
𑆪𑆠𑆼𑇆 𑆮𑆴𑆤𑆯𑇀𑆪𑆠𑆵𑆠𑆴𑇆 𑆍𑆮𑆁 𑆰𑆝𑇀𑆮𑆴𑆑𑆳
𑆫𑆽𑆂 𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆁 𑆪𑆠𑇀𑇆 𑆠𑆠𑇀𑆱𑇀𑆡𑆷𑆬𑆯𑆫𑆵𑆫𑆩𑇀𑇆 𑆱𑆷𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩
𑆯𑆫𑆵𑆫𑆁 𑆑𑆴𑆩𑇀𑇆 𑆃𑆥𑆚𑇀𑆖𑆵𑆑𑆸𑆠𑆥𑆚𑇀𑆖𑆩𑆲𑆳𑆨

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ग्रभयः कुः॥ ग्रजरभित्वे॥ कुङ्कः ग्रभित्रे
यः ठिर्चक्षुंभभूप्रत्रकुपर्थमिद्वंः य
ङ्गिलीयडेभिःग्रभयः॥ कैमः॥ भू᳚भयः
कः॥ भू᳚ ग्रिपाङ्कवर्यर्व॥ धगमीङ्कि
यपङ्कुकं॥ भू᳚भयः॥ कैमः॥ भनिभयः॥
कः॥ भनस्नुस्नुत्रे ङ्कियपाङ्कुकं॥ म भिलि
रु॥ भनिभयः॥ कैमः॥ विल्हुनभयः॥ कुः॥
वङ्गिल्हुत्रे ङ्कियपाङ्कुकं॥ म॥ भिलिरु॥
विल्हुनभयः कैमः॥ उनरुभयः कैमः॥
कः॥ भूयभिरु ग्रिर्वडिभउ॥ भ्रभ्रक्रुप
ल्लुवंयरु भ्रि॥ उरुनरुभयः कैमः॥
ग्डहाङ्कुकैमकंम॥ भमीयंमगीरं॥ भ

[illegible]

सुहेरं॑ ॥ वभीति॒ दनु॒ निस्नुयः ॥ उषा॒न

नेमक्रो॑ ॥ नम॒ह्रियो ॥ नवेंष्टो ॥ नमुके॑ ॥ नध

मधः ॥ किनूभन्दः ॥ भस्त्रिम॒नम॒ न्रुपः ॥ भ्रु

भ्रुकमनुपः ॥ भचतुद्दभी ॥ मिमूक

मतुपेद॒नभभीति ॥ दनु॒ निस्त्रयतुप ॥

भरेमलूनवनी ॥ मक्रैवदनभभी है

भरेमलूनेन ॥ निपिन्नकमवहु वि

निभ्रुतो ॥ श्रीवम्रुज्जः ॥ कम्रश्रिक

तिविपनि ॥ नुगम्भि ॥ भक्रितो ॥ भूर

रुहैरैन ॥ हिविपनिभति ॥ नुगा

उ.
वे.
३७

भिकमक्रिभा ॥ स्रैरद्वहरूंस्रुनि

म्रदतउंभद्रूपपयुपं ॥ कम्रयदा

त॥ रुद्र[illegible] नित्यं भस्मना ॥ [illegible]
ये ॥ रुद्रं नित्यं स्तुवन्ति ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ रुद्र[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] रुद्रं नित्यं [illegible] ।
[illegible] ॥ रुद्र[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

अभिरूंठउ॥कथअभिरुं॥ऊरूंभु॥भिहु
नैकिरअप्रभूनः॥सासविषमअद
स।विहूवरऽ।विद्धेपतुपकथं॥
अभुह्वउ॥गगनरविरूअअउप्रभ्रु
ठिइंजउः ऽहुउ॥ग्रअभुवनीयअ
य।अभ्रअभ्र॥ग्रगंउक्तःविवकरु
अभरुभिहुं॥ठिठगवर्नी॥यरूअ
अरुभिरु॥ऽक्तिअठं॥ग्रग॥यषेर्तु
एलेपव्रउअः॥उरूहभुए
लउरगअभिअठउय॥भुउठउ॥
॥किं॥ऽरूएलरूअनिवेरू॥अवंभि
भुउअनउ॥ऽरूंरूअचअ॥अउ

३३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ड्क्तेनठविभूति।उक्तूग।त्रुमिंदुंथरूक।
मेणेन।स्मीवकुं विरभू॥यरूसुडुठ
विभूति।उरूघ्रकर्द्वैकरर।वेठवति।
यघ।ूभ फिभुडं।मक्रूनवर्क्रे।भूति।
घरूभू।भंठवन।ठवेडेवनरू।मकू
नभिति।डं।वेहियक्षी।भूडिवियवति।
कडकं।भ्रुणहिसीउन्नं।मकून।भिति।ड
घ।मरूक्रू।वण।विउभू।उकं।घ्रुकूडति।
भड।व।त्री।उभूड।द्दं।उन।वृक्ष।भ
डिवियवति। भिक्षरूनक्रूभुडुभयुं।
उरूभभूवयति।मेणनयुक्ती।किठ ती
गवनी।भ।मेणनयुजिः॥कघ।भिडुं।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] पात्रं भवति । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] ॥ [illegible] ।
पात्रं भवति । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । पात्रं
भवति ॥ [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] । पात्रं
भवति ॥ [illegible] । [illegible]

वकमें न्लें न्लमयदृड्ड || कलि

म्वकमें थविवीगतुभूनङ्ड्ड ||

प्वंमभुरुजङ्गकेंरुहें न्हंङ्केन्ह

थभि || डेङगवनु || अुयफरुः यिम्न

कुघंमगीरं न्हुं || प्डङुर्कुः || फेङे

म्नन्डिअुयफरुः यियउङे डिकेरु

डे न्हङ्कुरुडनि करु धिनम्न

नु डिङरुम धिनम्नडि || घुङःउ

रुमभङ्गडरुहः कघं म्नीयड || व

भिमरुहभवधिउङ्गिउधिडि

मुः । नम्नडिअुभुभे मे वे यठंभूवि

वेः । ष्ठः । ष्ठुभुरुहठ न्ह नियडि ङडि

[illegible]

सुभ मन्वस भूयक्षे [illegible] स्तुः ॥
निर्जेतुभि [illegible] गच्छन्तं द्वा [illegible] मि
वकेभगी ॥ वल्स्सुभ ठिभ [illegible] नमुति
[illegible] भिठवेज्ञरः ॥ वल्सुभविद्वीन
[illegible] वडुतेमुतिभ्रचनि ॥ वल्सुभः
[illegible] ध्वभिडवनभुण्वयुतः
मभुभद्र ॥ यु वरू [illegible] विझनंग
[illegible] तवभुभ [illegible] उः ॥ भुभ [illegible] कम
मभु [illegible] ॥ उवरूवे पपहुतो ॥ [illegible]
रूदेवठव भीति ॥ यरू [illegible] णंतु
उरूउवकहूदुभपिनभु ॥ ठेठ
गवनो ॥ [illegible] मगीभजेठव

वज्ञ। भूलः पाञ्चचोडियच्युविक
राण्व। उरूद्भकेदौभिलहभन
दूत्ज्ञ। त्वंकुउनिस्तुनिउसंम।
भयेगौ कुवगौम्रिय लिस्तुनि।
ठेठगवन। भुम्नविषयंस्तत्रिक
षभिम्रियलिस्तुनि। उभूग॥
मगे मृहभक्ष्नंनस्तउ। पाभ
धिनस्तउ। भुविषयंमच्छुउ।
नूष्टू। पहंविषयभपिलुउनभ
भउ॥ उठययपस्तं किउमच्छ
नभूकालिभपवंउद्भजः भूनीय
पउ। यषस्तीर्तुपास्तिर्जिहुउउ

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वल्लविकरोभ्रुवल्भिव ॥ उत्तवि

करेभ्रुउत्तरिव ॥ मिडिवेत्तुभ्रुमिरू

व ॥ रक्तभयेवज ॥ सुजिकरान्तव

ज ॥ घउभ्रुभजिउीयः ॥ घापरुदं भरु

ज्ञयउि ॥ विन्डीयभन्डीयभ्रुगउ

हेमरदिउकुमेकरभेयणभ्रुं भ

हुवनन्वज ॥ घमनदं भरुज्ञयउि

नन्भ्रुभकुरदिउकुरुमलभ्रुं ॥ घ

नन्दं भरुज्ञयउि ॥ घरु मिदु कुं

गन्रदिउकुत्तुभरुः घन्रियरु ।

भरुज्ञयउि ॥ यघरु भरु भत्रिणि

भक्रउ भरेलन्नरुभयंलिदंम

भूउ ।

ष रुत्तुभीता उद्वंतद्वस्रुत्तुउस्वत्तुभ

विमता घत्तः भृविभूः मभृ रल्व

रभत्तरभव हूंभव हुहुउरेहुलः ॥

घमरीरं मरीरधृल्लृह स्ववं भवघ

मभरुविः घर्‍यंभरुयः भृयंहो ॥

उिह्ववउि येयं विल्लुरभयः भरुमः

येयभभ्रिह्रुयंभरुमः येयंघविन

मीभरुमः ॥ भृहगत्तुरुभयः भरुमः ॥

भरुभूमीद्धः भरुमः येयभभ्उभयः

भरुमः ॥ विल्लुरभत्तरंमह्न भल्लुभ

उिल्लुवह्न भउंल्लुरभतउंमह्न रुह्न

भव ह्निउीयंवह्न उयभह्नुवह्न भ्र

नम्यते भूयते व कृरू भित्त्रयो
कुष्ठ वितव नक्रुयः॥ चलेति
दःमत्रुतेयं भगले नगटतेगृ
भवेमगीरे॥ नरूते कश्रमिद्व यं॥
नमैव भ्रुत तं विकुः॥ चष्ठेनव
डुंष्ठवं तेव भहुं तिमत्तुवः॥ वि
फू विनयभमवेवु फुलेणविद
भिति॥ मुतिमैव स्रुथ केसयक्षि
तुः भभरु ज्ञिरः॥ चविठजें वि
ठजेप वितज भिवमभिुं कुत
ठक्तुमतल्लयं रभिक्षुरतवि
ष्ठम॥ वभ्रेवः भचभितिम

[illegible]

गचभूतेभ्यः॥ यश्चाय मन्तःक
म भमप्येषु विलीयते॥ जीवन्मुक्तैश्च
मुक्तये समतीतमन्तः तु यं विदुर्गम
ः॥ उत्पत्तिभेदान्प्रवक्ष्ये सु
मविन्मे॥ अत्र प्रकृत्यात्रिविधास्ति
सृष्टः स्मृतं द्विधा ताः॥ यथ
तं तत्र [illegible] विमम
विलीयते॥ किञ्च॥ सर्वं विश्वयन्तु
[illegible] स्मृतेन हृते॥ समीरं हित
[illegible] यत्र [illegible]ः॥ [illegible]
[illegible] विवीहं क्रियते तथा॥ ग
पिम॥ [illegible] जीवन्मुक्ताः [illegible]॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]